



EDITION IND ▼

ಕನ್ನಡ ಮಲಯಾಳಂ বাংলা తెలుగు தமிழ் मराठी ગુજરાતી Samayam English Pregatips



लॉगिन

NBT नवभारत टाइम्स By THE TIMES OF INDIA

बिजनेस न्यूज़ बिजनेस भारत राज्य दुनिया खेल लाइफस्टाइल धर्म मनोरंजन Astro+Awards लीगल हेल्थ More

 शहर


रुपया डायरी इनकम टैक्स फाइनेंशियल लिटरेसी रेलवे शेयर बाजार रिन्यूएबल एनर्जी फोटो विडियो ईटी की पाठशाला कम्पिटीज़

गूगल न्यूज़ में हमारे साथ जुड़ें

NBT को सिलेक्ट कर

ट्रेंडिंग टॉपिक्स

N Chandrasekaran Successor

Success Story

Share Market Update

Tata Group Owner

Jio Financial Share Price

Hindi News / Business / Business News / Anil Agarwal Kabir Doha Post Vedanta Chairman Lazy Work Success Mantra

Anil Agarwal: 'आलस छोड़ो, काम तुरंत निपटाओ', अनिल अग्रवाल ने शेयर किया कबीर का दोहा, बताया बिजनेस में आगे बढ़ने का मंत्र

Curated By: राजेश भारती | नवभारतटाइम्स.कॉम • 11 Aug 2026, 5:06 pm IST



Subscribe

YouTube

12M

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कबीर के दोहे से समय और कारोबार की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा कि काम को तालना नहीं चाहिए, बल्कि आलस छोड़कर सही समय पर तुरंत काम करना चाहिए।



अनिल अग्रवाल को बहुत पसंद है कबीर का दोहा।

Advertisement

आज का AQI >

नई दिल्ली ▼

तापमान

वायु गुणवत्ता

111 AQI

PM2.5 39 µg/m³

खराब



Powered By AQI

नई दिल्ली: वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है।

इस वीडियो में उन्होंने संत कबीर के एक दोहे का जिक्र करते हुए बताया कि यह दोहा उनके जीवन में कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस दोहे की सीख पर वह खुद भी अमल करते हैं। अनिल अग्रवाल ने वीडियो में कबीर का प्रसिद्ध दोहा सुनाया:

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।

पल में प्रलय होगी, बहुरि करेगा कब।

इस दोहे का मतलब बताते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि हमें किसी काम को टालना नहीं चाहिए। जो काम आज करना है, उसे कल पर नहीं छोड़ना चाहिए और जो काम अभी किया जा सकता है, उसे तुरंत कर देना चाहिए। यह दोहा [बिजनेस में भी आगे बढ़ने की भी सीख](#) देता है।

YOU MAY LIKE

SPONSORED LINKS BY TABOOLA

Advertisement

Network at Biggest Startup Summit in Pune

Global Startups Club

Register

आपके पसंद की स्टोरी

'BJP में अधिकतर लोग
पैसे कमा रहे थे', सुरेश
ओबेरॉय बोले- मैं मोहन...

यूनिवर्सिटी में लेक्चर देते-
देते तीन मंत्रियों से लगी
'खेलने', 20 साल से न...

'पापा ने बहन को ₹1 में
हलवाई को बेचा', कंगना
शर्मा का खुलासा- दीदी ...

'तुकाराम मुंढे जी आप कहाँ
हो?' श्वेता तिवारी ने
कॉकरोच भगाने के लिए...

रेकमेंडेड खबरें >



Russian Energy Week
2026: रूस ने बना दिया
100 में भारत को नंबर-1,...



India Trade Strategy:
भारत की ट्रेड स्ट्रैटेजी में
शिफ्ट, इन देशों में FTA के...



Advance Tip: 'ऐसा करना
नियमों के खिलाफ', कैब बुक
करने में जल्द हटेगा यह...



China Anti-Dumping
Duty: चीन नहीं करेगा भारत
के साथ मुरव्वत, 5 साल ...



Gold Rate in 1947:
भारत की आतंकी के समय



Anil Agarwal Vedanta: 'यही हमारी असली पहचान है...', अनिल अग्रवाल को याद आया दादा का खादी बाग, वेदांता चेयरमैन की युवाओं से खास अपील

‘आलस मत करो, काम फटाफट कर दो’

अनिल अग्रवाल ने वीडियो में कहा कि वह अपने दोस्तों से भी यही कहते हैं कि आलस नहीं करना चाहिए। जिस काम को करना है, उसे फटाफट कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति समय पर अपने काम करता है तो वह जीवन में कितनी तेजी से आगे बढ़ सकता है, इसे खुद महसूस कर सकता है।

कबीर का दोहा क्यों है पसंदीदा?

अनिल अग्रवाल ने वीडियो के साथ अपनी पोस्ट में लिखा कि हमारे पारंपरिक दोहे बहुत ही सरल शब्दों में जीवन की बड़ी बातें समझा देते हैं। उन्होंने कहा कि परिस्थिति कैसी भी हो, ये दोहे इंसान को सही रास्ता दिखाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि कबीर के दोहों में से यह उनका सबसे पसंदीदा दोहा है और वह खुद भी इसकी सीख को अपनी जिंदगी में पूरी तरह अपनाते हैं।

Advertisement

Ajit Doval: 'पाताल तक ढूंढकर खत्म..' ऑपरेशन सिंदूर की कहानी डोभाल की जुबानी, पीएम ने दिया कैसा आदेश

Anil Agarwal

@AnilAgarwal_Ved · Follow



हमारे पारंपरिक दोहे कितनी सादगी से सिर्फ कुछ लाइनों में बहुत कुछ कह जाते हैं।

कैसी भी परिस्थिति हो, हमेशा सही राह दिखाते हैं।

कबीर के दोहों में से ये मेरा सबसे पसंदीदा है। और मैं पूरी तरह से इसपे अमल करता हूँ।

Watch on X

10:51 AM · Aug 11, 2026



686 Reply Copy link

Read 51 replies

यूजर्स बोले- जीवन दर्शन की झलक

अनिल अग्रवाल की इस पोस्ट पर काफी यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा- सर, आपकी इस बात में सिर्फ कबीर की सीख नहीं, बल्कि आपके अपने जीवन-दर्शन की झलक भी दिखाई देती है। सरल शब्दों में गहरी बात कहना और फिर उसे अपने जीवन में उतारना ही असली महानता है। आपकी सादगी, विनम्रता और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा प्रेरणा देती है।

एक अन्य यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, कबीर के दोहे सच में जीवन का आईना हैं- शब्द कम, सीख अनंत। [मुश्किल हालात](#) में भी सही राह दिखाने वाली ऐसी सीख अगर जीवन में उतर जाए, तो इंसान को भटकने की जरूरत नहीं पड़ती।



लेखक के बारे में

राजेश भारती

राजेश भारती, नवभारत टाइम्स (डिजिटल) में असिस्टेंट न्यूज एडिटर हैं। वह जुलाई 2024 में टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के नवभारत टाइम्स, डिजिटल विंग से जुड़े। राजेश भारती NBT डिजिटल में बिजनेस डेस्क पर कार्यरत हैं। वह कमोडिटी मार्केट, शेयर मार्केट, पर्सनल फाइनेंस, क्रिप्टोकरेंसी पर मजबूत पकड़ रखते हैं। 16 साल ... और पढ़ें